दैनिक भास्कर

भोपाल 07-08-2023

अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव 'उन्मेष' में कई देशों के प्रतिनिधि

भोजन, ज्ञान, आयुर्वेद, योग... क्रिएटिव इकोनॉमी ही भारत की सॉफ्ट पॉवर

भास्कर न्यूज | भोपाल

दुनियाभर में भारतीय संस्कृति के साथ भारतीय भोजन, कला, आयुर्वेद, योग, त्योहार और उत्सव लोकप्रिय हो रहे हैं, यूरोप और अमेरिका के कई शहरों में लोग इन्हें अपना रहे हैं। भारत की क्रिएटिव इकोनॉमी के लिए दुनियाभर में अपार संभावनाएं पैदा हो रही हैं। यही भारत की सॉफ्ट पावर यानी सौम्य शक्ति है।

अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग और भारतीय कला के प्रचार के लिए कार्यरत सामाजिक कार्यकर्ता सुंदीप भुतोरिया ने अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव उन्मेष में 'भारत की सॉफ्ट पावर' विषय पर अपनी बात रखते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जब जापान के प्रधानमंत्री को गोलगप्पे खिलाते हैं, तो वे एक तरह से भारतीय खान-पान का वैश्विक प्रचार कर रहे होते हैं। दूसरे राष्ट्राध्यक्षों को उपहार देते समय वे विशुद्ध भारतीय कला का प्रचार कर रहे होते हैं। अश्विनी कुमार ने भारतीय राजनीति, संस्कृति और कूटनीति को भारत की सॉफ्ट पॉवर बताते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शिकागो की धर्म संसद के जरिए सारी दुनिया का नजरिया भारत के प्रति बदल दिया। भगवान बुद्ध के विचार आज भी दुनिया को भारत की ओर आकर्षित करते हैं। इस सत्र की अध्यक्षता भारतीय सांस्कृतिक संबंधता परिषद के अध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे को करनी थी, लेकिन फ्लाइट छूट जाने से वे नहीं पहुंच सके।